

आधुनिक प्रौद्योगिकी का मानव जीवन पर प्रभाव (Effect of Modern Technology on Human Life)

डॉ. दिनेश प्रसाद,

अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ (भारत)

प्रस्तावना:-

आधुनिक प्रौद्योगिकी का मानव जीवन में प्रभाव पिछले कुछ दशकों में बहुत अधिक प्रभाव हुआ है और प्रौद्योगिकी का उपयोग काफ़ी बढ़ रहा है यह लोगों के जीवन के सोचने, सोचने और संवाद करने के तरीकों को बदलता है तथा समाज में एक प्रमुख भूमिका निभाता है और अब प्रौद्योगिकी के बिना जीवन की कल्पना करना बहुत कठिन है। प्रौद्योगिकी और समाज दोनों एक दूसरे से सह-संबंधित, सह-निर्भर, सह-प्रभावित है। प्रौद्योगिकी का समाज पर सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार का प्रभाव पड़ा है। प्रौद्योगिकी का विकास मानव जीवन के लिए बहुत लाभदायक भी सिद्ध हुआ है। यद्यपि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ कुछ समस्याएं भी सामने आई हैं। आज के समय में नई और उन्नत तकनीकें होती हैं, हमारा समाज प्रौद्योगिकी द्वारा आकार लेता है जिसके लाभकारी और हानिकारक दोनों परिणाम होते हैं। मानव समाज प्रौद्योगिकी का आपस में अटूट संबंध है, क्योंकि मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टी.वी. आदि जैसी तकनीकी प्रणालियां मुख्य रूप निर्मित की जाती हैं और ये किसी आबादी की जरूरत एवं जीवनशैली का आधार दर्शाती है। हालांकि प्रौद्योगिकी मनुष्य की जीवनशैली को सुधार करती है, लेकिन यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बहुत बड़ी चिंता का विषय भी है।

आजकल लोग अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं जो उनकी शारीरिक गतिविधियों को कम करता है और सीधे उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। साथ ही प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोगों के कारण हर दिन बहुत सारे साइबर अपराध होते हैं। जिनमें कोई व्यक्ति पीड़ित की पहचान या व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि एक विशेष आई.डी. नंबर, फोन नंबर, डेबिट कार्ड आदि चुरा लेता है और इसका उपयोग हमारे अनुभव के बिना अपराध करने या धोखाधड़ी करने के लिए करता है। हम अपने दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी



का उपयोग करते हैं और उस पर निर्भर रहते हैं और हमारी तकनीकी अवसंरचना और मार्ग हमेशा रहती है। मनुष्य द्वारा खोज करना, पुद्र, अध्ययन करना और काम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है। जिस तरह से हम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं उससे यह तय होता है कि उसका प्रभाव समाज के लिए फायदेमंद है या हानिकारक।

समाज पर प्रौद्योगिकी का सकारात्मक प्रभाव :-

प्रौद्योगिकी का मनुष्य या समाज पर नकारात्मक प्रभाव की तुलना में अधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह हमारे जीवन को आसान बनाता है और हमें ऐसे संसाधन या उपकरण प्रदान करता है जो हमारे जीवन को बहुत आसान बनाता है।

- **बेहतर संचार** – संचार समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम समाचार की मदद से एक-दूसरे के साथ अपने विचारों का निर्माण या हस्तांतरण करते हैं। लोग पहले अपने परिजनों तक संदेश पहुँचाने के लिए कबूतरों का इस्तेमाल करते थे। उसके बाद धीरे-धीरे तकनीकी उन्नति और समय हस्तांतरण का माध्यम मोबाइल फोन, ईमेल आदि में बदल गया। आजकल हम ईमेल, सोशल मीडिया, टेलीकॉम आदि के माध्यम से परिजनों या परिचित लोगों को संदेश भेजते हैं। ये सबसे तेज, किफायती और प्रभावी माध्यम है, लोग अपने परिजनों से आसानी से बात कर सकते हैं और जानकारी साझा कर सकते हैं, भले ही वे उनसे बहुत दूर हों।
- **बेहतर शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया** – प्रौद्योगिकी शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाती है, आजकल लोग इंटरनेट का उपयोग करके आसानी से अपनी शिक्षा को बढ़ा सकते हैं। इंटरनेट पर मौजूद अधिकतर डेटा मुफ्त है और इस डेटा को कभी भी और कहीं भी एक्सेस कर सकते हैं।
- **यंत्रीकृत कृषि** – प्रौद्योगिकी किसानों के काम करने के तरीकों के बदलाव देती है। कृषि क्षेत्र में बहुत सारी मशीनें एवं तकनीकी उपकरण आ गए हैं, जिनसे खेती बहुत आसान, प्रभावी, स्वचालित आदि हो गई है।
- **जानकारी तक पहुँचना आसान** – हम इंटरनेट के माध्यम से किसी भी समय और कहीं भी आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट पर मौजूद ज्यादातर जानकारी मुफ्त है, इसलिए उसका इस्तेमाल ज्ञान, कौशल आदि के बढ़ाने के लिए किया जाता है।



प्रौद्योगिकी और मानव समाज सभ्यता –

मानव समाज की जीवनशैली पर अलग-अलग युगों में तत्कालीन प्रौद्योगिकी का प्रभाव रहा है। प्रौद्योगिकी ने समय-समय पर होने वाले प्रेरित को भी प्रभावित किया है। मानव समाज में प्रचलित संयुक्त परिवार प्रणाली, विवाह के विभिन्न प्रकार, बहुविवाह समुदाय के स्थान पर एक पत्नी वाली समाजता, संपत्ति में समान अधिकार, रिश्तों को समान दर्जा, परिवार का आकार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर प्रौद्योगिकी का बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता रहा है। टेलीविजन के व्यापार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण क्रांति की है, इसने सामाजिक संस्थानों, रीति-रिवाजों और संस्कृति को परिवर्तन करने का भी योगदान दिया। मानव समाज के विभिन्न अवस्थाओं में समानता लाने के लिए तकनीकी विकास का भी उपयोग किया गया और इसी प्रकार समाज में तकनीकी के माध्यम से शिक्षा का भी विस्तार किया गया। यही कारण है कि प्रौद्योगिकी का प्रभाव मानव समाज पर पड़ता है तथा मानव समाज की तत्कालीन विशेषताओं समाज का निर्माण करती है। बढ़ते रहने के लिए प्रौद्योगिकी बहुत ही महत्वपूर्ण है, आजकल विकास और लगातार सुधार का अर्थ है, यदि समाज और मनुष्य एक समाज के प्रगत पर किसी वांछित स्तर पर आगे चलना है तो प्रौद्योगिकी का उपयोग करना बहुत ही जरूरी है। मानव हमेशा अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करता है। मनुष्य अपने कार्य और सोच के प्रति परिवर्तन लाकर उसे नया बनाना चाहता है। मानव जीवन के दो पहलू हैं, जो हर वक्त बदलते रहते हैं।

● समाज

● प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी उपकरणों और तकनीकों का आविष्कार है, प्रौद्योगिकी परिवर्तन एक तकनीक का अधिकार, एक तकनीक का सुधार की निरंतर प्रक्रिया है और इस उद्योग या समाज में अपना प्रसार है। सोसाइटी सामाजिक संबंधों के माध्यम से लोगों का समूह है। सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक व्यवस्था की प्रवृत्ति या परिवर्तन है। शुरुआत से ही प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन में एक कारक था। समाज में प्रौद्योगिकी एक वरदान या अभिशाप है, प्रौद्योगिकी के निर्माण और सुधार के लिए एक अच्छा तरीका है और बुरी तरह से दोनों में देखा जाता है, प्रौद्योगिकी के उपयोग के कई मायनों और दुनिया भर के कई स्थानों में इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि यह एक सकारात्मक रास्ते में देखा जाता है मशीनों द्वारा रोगियों की जान बचाने के लिए प्रौद्योगिकी का अस्पतालों में प्रयोग किया जाता है। प्रौद्योगिकी ने मनुष्य को इस दुनिया और अंतरिक्ष की भी जानकारी दी है।



प्रौद्योगिकी के प्रभाव का गौरव –

प्रौद्योगिकी के प्रभाव को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है ये इस प्रकार है:-

- सामाजिक निहितार्थ
- आर्थिक निहितार्थ
- शैक्षिक प्रभाव

सामाजिक निहितार्थ – व्यापारी आदमी नई खोजों वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तन हो जाने की उम्मीद में मदद करता है व्यापार संगठनों के प्रबंधन को एक साथ आवश्यक संसाधन लाने के लिए और उपयोगों उत्पादों में उन्हें बदलने के लिए नई खोजों का काम करते हैं, व्यापार, माल और लोगों के लिए आवश्यक है, जो सेवाओं को बनाने और सामाजिक विकास में मदद करते हैं। प्रौद्योगिकी के वजह से अनेक तरह की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जा सकता है और उसे मनुष्य तक पहुँचाया जा सकता है। जिसका इस्तेमाल करने वालों के रहने के मानक बढ़ जाते हैं। क्योंकि तकनीकी युग में लोगों की उम्मीदें भी बढ़ जाती है। वे सिर्फ पुरानी चीजों नहीं बल्कि नई चीजों के इस्तेमाल में रहते हैं और अनुसंधान और विकास में बड़े निवेश की आवश्यकता हो गई है, जिसकी वजह से व्यापारी के व्यय भी बढ़ गए हैं। प्रौद्योगिकी जटिलता पैदा करती है और जीवन को कठिन बनाती है प्रौद्योगिकी के कारण कई वस्तुओं का उत्पादन बहुत ही जल्दी हो जाता है। प्रौद्योगिकी ने स्थिति मजबूत बनाया और सामाजिक मन्तव्यों को हटा दिया गया है प्रौद्योगिकी संचार और जीवन के अन्य पहलुओं के मामलों में एक नया चलन बन गया है।

आर्थिक निहितार्थ – प्रौद्योगिकी ने उत्पादकता वृद्धि में योगदान एवं प्रौद्योगिकी ने उत्पादन के तरीकों को बदल दिया है। यह कुशल श्रम की आवश्यकता बढ़ गई है और उत्पादन का समय कम हो गया है। हालांकि इससे संगठनों के उत्पादन की लागत बढ़ गई है। संगठनों को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करने की जरूरत बढ़ गई है जिसकी वजह से संसाधन का वृद्धि के वजह से खर्च भी बढ़ गया है। मानव कार्यस्थल लैपटॉप और स्मार्टफोन के अलावा संगठनों को सुव्यवस्थित रूप से चलाने हेतु सूचना प्रणाली, क्लाउड सॉफ्टवेयर या प्रौद्योगिकी उपकरणों को लागू करने, प्रौद्योगिकी के प्रभाव के लिए एक कार्य को पूरा करने के लिए आवश्यक समय कम, या कुछ मामलों में एक व्यापार प्रक्रिया या नौकरी संचालन के लिए आवश्यकता को समाप्त करने की क्षमता है। लेकिन कंपनियों के संचालन को प्रभावित कर सकते हैं जो एक संगठन के भीतर प्रौद्योगिकी की



वृद्धि हुई उत्पादकता उच्चतम कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रभाव के लिए एवं व्यापार के दायरे में सुधार होगा। संगठनात्मक संरचना, विभागों के पुनर्गठन को स्थायी आवश्यकताओं को संशोधित करने या नौकरियों को जोड़ने और हटाने के द्वारा बदलना जा रहा है, ये उद्योग मानक बन जाते हैं। अगर नियोक्ता अवसर एक नौकरी की आवश्यकता को नए सॉफ्टवेयर प्रोग्राम या प्रशिक्षण या उपकरण की आवश्यकता होती है। वेब आधारित व्यवसाय प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए एक नए विभाग या जॉब छोड़ सकते हैं।

शैक्षिक प्रभाव – आजकल छात्र मोबाइल द्वारा उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। जिसके माध्यम से वह अपना कार्य कर पाते हैं। प्रौद्योगिकी का उपयोग शिक्षा प्राप्त करने में किया जाता है। इस वजह से विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाओं का प्रचलन बढ़ गया है, क्योंकि कक्षाओं में वीडियो और अन्य माध्यमों का उपयोग हो रहा है। आजकल कोई भी व्यक्ति कहीं भी बैठकर पढ़ सकता है सिर्फ उसके पास एक कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन हो।

समाज पर प्रौद्योगिकी का नकारात्मक प्रभाव –

जैसा की हम जानते हैं कि, इस ग्रह पर मौजूद हर चीज के फायदे और नुकसान होते ही है, यही बात तकनीक पर भी लागू होती है, इसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है और कुछ अन्य नकारात्मक प्रभाव इस प्रकार है :-

- **बेरोजगारी में वृद्धि** – आजकल बड़े और छोटे व्यवसाय मशीनों और तकनीकी उपकरणों का उपयोग कम लागत और उच्च गुणवत्ता के कारण करते हैं, जिसके कारण बेरोजगारी की दर बढ़ रही है।
- **प्रदूषण में वृद्धि** – अनेक मनुष्य बल्कि प्रौद्योगिकी भी हमारे पर्यावरण को प्रभावित कर रही है, वाहन और मशीनों के कारण प्रदूषण की दर लगातार बढ़ रही है, जो ग्लोबल वार्मिंग आदि का कारण बनती है।
- **स्वास्थ्य और मानसिक चिंताओं में वृद्धि** – आजकल प्रौद्योगिकी मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, ये लोगों को आलसी, भावनात्मक रूप से कमजोर, नींद की समस्याओं, शारीरिक गतिविधियों में कमी, साथ ही लोगों को अपने परिवार और दोस्तों के साथ कम समय बिताने के लिए मजबूर कर रही है।
- **साइबर अपराधों में वृद्धि** – इंटरनेट के अत्यधिक उपयोगों के कारण साइबर अपराध की दर में भी वृद्धि हुई है, कुछ लोग (हमलावर) पैसे या मनोरंजन के लिए निर्दोष लोगों (पीड़ितों) या बच्चों को नुकसान पहुँचाते हैं।



सामाजिक मुद्दे और सांस्कृतिक परिवर्तन –

सामाजिक मुद्दे – इंटरनेट का उपयोग करते समय हमें निम्नलिखित कुछ सामाजिक मुद्दों का सामना करना पड़ता है –

- **पहचान की चोरी** – किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का उपयोग करके उसकी निजी व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करना तथा अपराध करने के लिए धोखाधड़ी करना।
- **गेमिंग का तत्व** – लंबे समय तक इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग के परिणामस्वरूप व्यक्ति के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है।
- **स्वास्थ्य और फिटनेस** – इंटरनेट का अधिक उपयोग करने से स्वास्थ्य और फिटनेस पर प्रभाव पड़ता है, यह आपकी दृष्टि, गर्दन की हड्डी आदि पर प्रभाव डाल सकता है।
- **साइबर धमकी** – किसी अन्य व्यक्ति को धमकाना, दुखी करना, आलोचना करने या निशाना बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल साइबर धमकी के रूप में माना जाता है।
- **आतंकवाद और अपराध** – हमारे साइबर बुनियादी ढाँचे, साथ ही डिजिटल जानकारी जैसे सॉफ्टवेयर हार्डवेयर, डेटा या सूचना की चोरी को साइबर आतंकवाद माना जाता है।
- **संचार टूटना** – संचार टूटना तब होता है जब सूचना का आदान-प्रदान नहीं होता है, इसके परिणामस्वरूप बातचीत में कमी आती है।
- **चरित्र हनन** – किसी अन्य व्यक्ति की साख/मान का गंभीर नुकसान पहुँचाने के लिए झूठी सूचना प्रसारित करने के कृत्य को चरित्र हनन कहा जाता है।
- **सांस्कृतिक परिवर्तन** – हमारी संस्कृति में तकनीक ने आमूलचूल परिवर्तन किया है। हमारे आदर्शों से लेकर व्यवहार के हमारे तरीकों तक सब कुछ बहुत आगे बढ़ चुके हैं। बहुत से लोगों को अब आमने-सामने बातचीत करना मुश्किल लगता। लोग अपने दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए फोन, टैबलेट या कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही लोग अब दूसरों का मूल्यांकन इस आधार पर करते हैं कि वे कितने तकनीकी रूप से सक्षम हैं, जैसे कि उनके पास नवीनतम मोबाइल फोन या कार है या नहीं। आजकल किसी दूसरे व्यक्ति को सुनने की तुलना में हम फोन पर संगीत सुनना ज्यादा पसंद किया जाता है। आजकल ज्यादातर लोग इंटरनेट को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि वे सिर्फ यही जानते हैं। इन दिनों टच स्क्रीन वाले सेल फोन काफी लोकप्रिय हैं, तकनीक सिर्फ लोगों को वास्तविकता से अलग करती है। आजकल लोगों में व्यक्तिगत कनेक्शन, समस्याओं



समाधान और व्यस्त गतिविधियों को दिखाने जैसी वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में बातचीत करने की क्षमता नहीं है। यह सब हमारी संस्कृति को प्रभावित कर रहा है।

संदर्भ

- प्रियंका चौहान (2012) "वैदिक वाङ्मय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी," बरेली, प्रकाश बुक डिपो, आई.एस.बी.एन, 978-8179774434
- जाफर अली (2002) "पर्यावरण, नीति और तकनीकी परिवर्तन और कम्प्यूटर", (1942) पूंजीवाद, समाजवाद और लोकतंत्र से व्यूलन, जाजोरट, बी.पी द्वारा 26 अगस्त 2008 को।

